



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 6] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 6, 1993/माघ 17, 1914
No. 6] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 6, 1993/MAGHA 17, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 4 PART II—Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए सांविधिक नियम और आदेश
Statutory Rules and Orders Issued by the Ministry of Defence

रक्षा मंत्रालय
(वित्त प्रभाग)

नई दिल्ली, 12 जनवरी, 1993

का.नि.आ. 6 :—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के
परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय रक्षा लेखा
सेवा (भर्ती) नियम, 1958 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित
नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय रक्षा लेखा सेवा
(भर्ती) संशोधन नियम, 1993 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय रक्षा लेखा सेवा (भर्ती) नियम, 1958 के नियम
24, पैरा 1 में :—

(i) “3 वर्ष” अंक और शब्द के स्थान पर “5 वर्ष” अंक और
शब्द रखे जाएंगे।

(ii) पैरा के अन्त में निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा;
अर्थात् :—

“इस पैरा के उपबन्धों की शर्तों के निबंधनों के अनुसार सेवा में
नियुक्त किए गए अधिकारियों को उसी वर्ष प्रतियोगी परीक्षा के
माध्यम से नियुक्त किए गए अधिकारियों के मुकाबले ज्येष्ठता में
दो वर्ष की वर्यता दी जाएगी और किसी विशिष्ट वर्ष में प्रतियोगी
परीक्षा के माध्यम से नियुक्त किए गए अधिकारियों और ऊपर
निर्दिष्ट वर्यता अनुज्ञाते किए जाने के पश्चात् उस वर्ष के प्रोन्नत

किए गए अधिकारियों में, पश्चात्पूर्वी अधिकारियों को उस वर्ष सीधे
भर्ती किए गए व्यक्तियों में से कनिष्ठतम व्यक्ति से सामूहिक रूप
से नीचे रखा जाएगा। परन्तु पहले चयन के आधार पर प्रोन्नत
व्यक्ति पश्चात्पूर्वी चयन के आधार पर प्रोन्नत व्यक्तियों से रैंक में
ज्येष्ठ होंगे।”

पाद टिप्पण :—

मूल नियम सा.का.नि. सं. 906 तारीख 11 अक्टूबर, 1958
द्वारा प्रकाशित किए गए और उनका पश्चात्पूर्वी संशोधन (1)
सा.का.नि. सं. 191, तारीख 10 फरवरी, 1979, (2) का. नि. आ.
सं. 152, तारीख 4 अगस्त, 1984, (3) का. नि. आ. सं. 329,
तारीख 31 अक्टूबर, 1987, (4) का. नि. आ. सं. 360, तारीख
12 दिसम्बर, 1987, (5) का. नि. आ. सं. 110, तारीख 15
अप्रैल, 1989, (6) का. नि. आ. सं. 195, तारीख 15 जुलाई,
1989, (7) का. नि. आ. सं. 290, तारीख 28 दिसम्बर, 1991
द्वारा किया गया है।

[मि. सं. ए. एल-I/1194/1/VI]

राजेन्द्र मोहन, सहायक वित्तीय सलाहकार (सामान्य) और अवसर सचिव

MINISTRY OF DEFENCE

(Finance Division)

New Delhi, the 12th January, 1993

SRO 6.—In exercise of the powers conferred by the pro-
viso to article 309 of the Constitution, the President hereby
makes the following rules further to amend the Indian

Defence Accounts Service (Recruitment) Rules, 1958, namely :—

1. (1) These rules may be called the Indian Defence Accounts Service (Recruitment) Amendment Rules, 1993.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Defence Accounts Service (Recruitment) Rules, 1958, in rule 24, in paragraph 1.

(i) for the figure and the word "3 years" the figure and the word "5 years" shall be substituted, and

(ii) at the end of paragraph the following shall be inserted, namely :—

"The officers appointed to the Service in terms of provisions of this paragraph, shall be given two years' weightage in seniority vis-a-vis the officers appointed in the same year through competitive examination. Further, among the officers appoint-

ed through the competitive examination in a particular year and the promoted officers assigned to that year after allowing weightage as referred to above, the latter shall be placed below the junior most direct recruit of that year. Provided that those promoted on the basis of earlier selection shall rank senior to those promoted on the basis of latter selection."

Foot Note :—The principal Rules were published vide No. GSR 906, dated the 11th October, 1958 and subsequently amended vide (1) GSR 191, dated the 10th February, 1979, (2) SRO 153, dated the 4th August, 1984, (3) SRO 329, dated the 31st October, 1987, (4) SRO 360, dated the 12th December, 1987, (5) SRO 110, dated the 15th April, 1989, (6) SRO 195, dated the 15th July, 1989, and (7) SRO 290, dated the 28th December, 1991.

[F. No. AN-I/1194/1/VII]

RAJINDER MOHAN, Assistant Financial Adviser
(Co-ordination) and Under Secy.

नई दिल्ली, 4 दिसम्बर, 1992

का.नि.आ. 7 :—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद, 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, नीसेना में ज्येष्ठ चिकित्सा अधिकारी की भर्ती की पद्धति का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं; अर्थात्—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम, नौसेना संहिता "क" राजपत्रित पद (ज्येष्ठ चिकित्सा अधिकारी) भर्ती नियम, 1993 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख की प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वह होगा, जो इन नियमों से उद्घाटित अनुसूची के स्तम्भ 2 से स्तम्भ 4 में विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं आदि :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्ववर्ति उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से स्तम्भ 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हताएं—वह व्यक्ति :—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्त का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षधार अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगा।

शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार का यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक है या सलाह है, वहाँ वह उसका लक्ष्य जो कारण है उन्हें लेखबद्ध कर के तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किल्ला या प्रवर्तन के व्यक्तियों के विषय में आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति :—इन नियमों का कोई बात, एस आरएआ, आयु-सीमा में छूट और अन्य परियोजना पर प्रभाव नहीं डालेगा, जिसका केन्द्रीय सरकार द्वारा इन नियमों में संशोधन पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अनुसूचित क्षेत्रों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए आवश्यक करना सम्भव है।

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	अवन प्रवर्ग प्रवर्तन पद	सोघे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं
-----------	----------------	----------	---------	-------------------------	---	--

1	2	3	4	5	6	7
प्लेस्ट अधिकारी अधिकारी	3 ^क (1991) *कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है।	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "क" राजपत्रित अनुसूचिवीय।	3000-100-3500-125-4500 घन नियमों के अधीन या अनुज्ञेय प्रैक्टिस बंकी भत्ता।	चपन	40 वर्ष से अधिक नहीं (केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों या आदेशों के अनुसार सरकारी सेवकों के लिए पांच वर्ष तक शिथिल की जा सकती है।)	लागू नहीं होता
टिप्पण:—आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में अभ्यर्थियों से आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी (न कि वह अंतिम तारीख जो असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, तमिलनाडु, कर्नाटक राज्य के लद्दाख खंड, हिमाचल प्रदेश के साहील और स्पॉनि जिले तथा चम्पा जिले के बांगी उपखंड, अंबमान और निकोबार द्वीप या लक्षद्वीप के अभ्यर्थियों के लिए विहित की गई है।)						

सोघे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं सोघे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए, परिवर्तन की अवधि, यदि कोई हो विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोक्त व्यक्तियों की दशा में लागू होंगी या नहीं

8	9	10
आवश्यक	नहीं	सोघे भर्ती के लिए दो वर्ष
(1) भारतीय छायाचित्रण परिषद् अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की प्रथम या द्वितीय अनुसूची या तृतीय अनुसूची के भाग 2 में (नादेशमिष्ट अर्हताओं से निम्न) सम्मिलित अभ्युपाध्याय विविधता अर्हता। तृतीय अनुसूची के भाग 2 में की शैक्षिक अर्हताओं के धारकों को उक्त अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (3) में विहित की गई शर्तों को भी पूरा करना चाहिए।		
(2) विविधता स्थापक के रूप में रजिस्ट्रार के पञ्चास पांच वर्ष की श्रृंखला अनुसूच।		

8

9

10

टिप्पण 1—अर्हताएं अथवा सुग्रहित अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिथिल की जा सकती है।
टिप्पण 2—अनुभव संघी अर्हता/अर्हताएं संघ लोक सेवा आयोग सक्षम प्राधिकारी के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के अभ्यर्थियों की दशा में तब शिथिल की जा सकती है (हैं) जब चयन के किसी प्रक्रम पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय है कि उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए अपेक्षित अनुभव रखने वाले उन समुदायों के अभ्यर्थियों के पर्याप्त संख्या में उपलब्ध होने की संभावना नहीं है।

भर्ती की पद्धति: भर्ती संघे होंगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिसमें प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विशिष्ट पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों स्थानान्तरण किया जाएगा।
की प्रतिशतता।

11

12

प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण या सीधे भर्ती ठीक पद्धति का विनियम्य मंत्रालय द्वारा प्रत्येक अवसर पर संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके किया जाएगा।

प्रोन्नति

ऐसा सहायक जर्जन श्रेणी-1/खिलाता अधिकारी (लेडी डाक्टर) जिसने उस श्रेणी में 5 वर्ष नियमित सेवा की है।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण: केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारों/एककों के ऐसे अधिकारी:—

(क) (1) जो निम्नित आधार पर गठन पर धारण किए हुए हैं, या
(2) जिन्होंने 3200-3900 रु. या समतुल्य कोनगत वाले पदों पर गत वर्ष नियमित सेवा की है, और

(ख) जिनके पास स्तम्भ 8 के अधोल सीधी भर्ती के लिए अधिकतम शैक्षिक अर्हताएं और अनुभव है।

(प्राप्त प्रवर्ग के ऐसे विभागीय अधिकारी, जो प्रोन्नति की सीधी पक्ति में हैं प्रतिनियुक्ति पर नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे। इस प्रकार प्रतिनियुक्ति व्यक्ति प्रोन्नति द्वारा नियुक्ति के लिए विचार किए जाने के पात्र नहीं होंगे। प्रतिनियुक्ति की अवधि, जिसके अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार के उसी या किसी अन्य संगठन/विभाग में इस नियुक्ति से ठीक पहले धारित किसी अन्य दायर बाध्य पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि है, साधारणतया तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी।)

यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना

भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा।

13

14

(प्रोन्नति/पुष्टि के संबंध में विचार करने के लिए)

समूह "क" विभागीय प्रोन्नति समिति:—

1. अध्यक्ष 1 सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग—अध्यक्ष
2. संयुक्त 1 सचिव (नर्सिंग), रक्षा मंत्रालय—सदस्य
3. सहायक मुख्य कार्मिक (सिविलियन कार्मिक)/सिविलियन कार्मिक नियेयक, नर्सिंग मुख्यालय—सदस्य

टिप्पण:—

संघे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों की पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति की कार्यवाहियाँ, संघ लोक सेवा आयोग के अनुमोदनार्थ भेजी जाएंगी। किन्तु, यदि आयोग उनका अनुमोदन नहीं करता है तो विभागीय प्रोन्नति समिति को संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या किसी सदस्य की अध्यक्षता में फिर से होगी।

प्रत्येक अवसर पर संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।

New Delhi, the 4th December, 1992

4. Disqualifications.—No person :

S.R.O. 7.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to Senior Medical Officer in the Navy, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Navy Group 'A' Gazetted Post (Senior Medical Officer) Recruitment Rules, 1993.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and the scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment to the said post, age limit qualification and other matter relating thereto shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any persons from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order and for reasons to be recorded in writing and in consultation with Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservation, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes, Ex-servicemen and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Name of post	Number of post	Classification	Scale of pay	Whether selection post or a non-selection post	Age limit for direct recruits
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Senior Medical officer	3* (1992) *Subject to variation on work load.	General Central Service Group 'A' Gazetted. Non-Ministerial	Rs. 3000-100-3500-125-4500 plus non-practising allowance as admissible under the rules.	selection	Not exceeding 40 year (Relaxable for Government servants upto 5 years in accordance with the instructions or orders issued by the Central Government. Note.— The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (and not the closing date prescribed for those in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of Jammu and Kashmir State, Lahaul and Spiti district and Pangi Sub Division of Chamba District of Himachal Pradesh, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep).

Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the Central Civil Service (Pension) Rules 1972.	Educational and other qualifications required for direct recruits.	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.
---	--	--

(7)

(8)

(9)

Not applicable

Essential :

No

- (i) A recognised medical qualification included in the first or second Schedule or Part II of third Schedule (other than Licentiate qualifications) to the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956). Holders of educational qualifications in Part II of the Third Schedule should also fulfil the conditions stipulated in sub-section (3) of section 31 of the said Act.

- (ii) 5 years professional experience after registration as a medical graduate.

Note 1. Qualification(s) are relaxed at the discretion of Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified.

Note 2. The qualification(s) regarding experience is/are relaxable at the discretion of Union Public Service Commission in case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes if at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them.

Period of probation, if any.	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made.
------------------------------	--	--

(10)

(11)

(12)

2 years for the direct recruits

By promotion

OR

transfer on deputation

OR

direct recruitment.

Exact method to be decided by the Ministry in consultation with the Commission on each occasion.

Promotion :

Assistant Surgeon, Grade I/Medical Officer (Lady Doctor) with 5 years regular service in the grade.

Transfer on deputation :

Officers of Central Government/State Governments/Union Territories

(a) (i) holding analogous posts on regular basis ; or

(ii) with 5 years regular service in posts in the pay scale of Rs. 2200-4000 or equivalent; and

(12)

(b) Possessing the educational qualifications and experience laid down for direct recruits under Col. 8.

(The departmental Officers in the feeder category who are in the direct line of promotion will not be eligible for consideration for appointment on deputation. Similarly, deputationists shall not be eligible for consideration for appointment by promotion).

Period of deputation including period of deputation in another ex-cadre post held immediately preceding his appointment in the same or some other Organisation/ Department of the Central Government shall ordinarily not exceed 3 years).

If a DPC exists, what is its composition

Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment.

(13)

(14)

Group 'A' DPC (for considering/promotion/confirmation) Consultation with UPSC necessary on each occasion.

1. Chairman/Member, UPSC—Chairman
2. Joint Secretary (Navy Ministry of Defence)—Member.
3. Assistant Chief of Personnel (Civilian Personnel)/Director of Civilian Personnel, Naval Headquarters—Member

Note.—The proceedings of the DPC relating to confirmation of a direct recruit shall be sent to the UPSC for approval. If however these are not approved by the Commission a fresh meeting of DPC to be presided over by the Chairman or a Member of the UPSC shall be held.

[F. No. CP(G)/1502]
S.S. NEGI, Under Secy.

